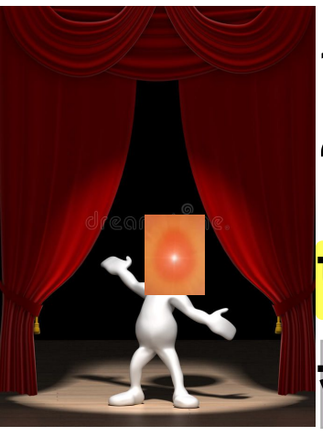

14-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - एक बाप ही नम्बरवन एक्टर है जो पतितों को पावन बनाने की एक्ट करते हैं, बाप जैसी एक्ट कोई कर नहीं सकता"

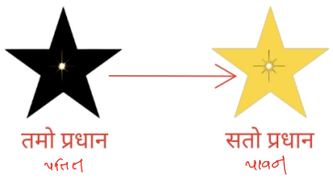

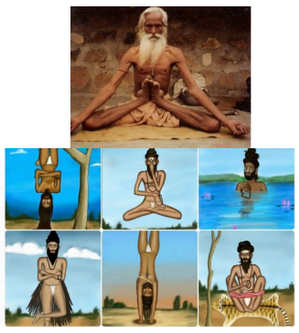

प्रश्नः- संन्यासियों का योग जिस्मानी योग है, रूहानी योग बाप ही सिखलाते हैं, कैसे?

उत्तरः- संन्यासी ब्रह्म तत्व से योग रखना सिखलाते हैं। अब वह तो रहने का स्थान है। तो वह जिस्मानी योग हो गया। तत्व को सुप्रीम नहीं कहा जाता। तुम बच्चे सुप्रीम रूह से योग लगाते इसलिए तुम्हारा योग रूहानी योग है। यह योग बाप ही सिखला सकते, दूसरा कोई भी सिखला न सके क्योंकि वही तुम्हारा रूहानी बाप है।

गीतः- तू प्यार का सागर है... Click

तू प्यार का सागर है
तेरी इक बूँद के प्यासे हम
लौटा जो दिया तुमने, चले जायेंगे जहाँ से हम
तू प्यार का सागर है ...

घायल मन का, पागल पंछी उड़ने को बेक़रार
पंख हैं कोमल, आँख है धुँधली, जाना है सागर पार
जाना है सागर पार
अब तू हि इसे समझा, राह भूले थे कहान से हम
तू प्यार का सागर है ...

इधर झूमती गाये ज़िंदगी, उधर है मौत खड़ी
कोई क्या जाने कहाँ है सीमा, उलझन आन पड़ी
उलझन आन पड़ी
कानों में ज़रा कह दे, कि आये कौन दिशा से हम
तू प्यार का सागर है ...

Exclusive Authority of Shiv baba

ओम् शान्ति। बच्चे, बहुत लोग कहते हैं ओम्

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Respond :- ओम शान्ति, मीठे बाबा।

शान्ति अर्थात् अपनी आत्मा की पहचान देते हैं। परन्तु खुद समझ नहीं सकते। ओम् शान्ति का अर्थ बहुत निकालते हैं। कोई कहते हैं ओम् माना भगवान। परन्तु नहीं, यह आत्मा कहती है ओम् शान्ति। अहम् आत्मा का स्वधर्म है ही शान्त इसलिए कहते हैं मैं हूँ शान्त स्वरूप। यह मेरा शरीर है जिससे हम कर्म करते हैं। कितना सहज है। वैसे बाप भी कहते हैं ओम् शान्ति। परन्तु मैं सबका बाप होने कारण, बीजरूप होने कारण भी जो रचना रूपी झाड़ है, कल्पवृक्ष उसके आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ। जैसे तुम कोई भी झाड़ देखो तो उसके आदि मध्य अन्त को जान जाओ, वह बीज तो जड़ है। तो बाप समझाते हैं यह कल्प वृक्ष है, इसके आदि मध्य अन्त को तुम नहीं जान सकते, मैं जानता हूँ। मुझे कहते ही हैं ज्ञान का सागर। मैं तुम बच्चों को बैठ आदि मध्य अन्त का राज़ समझा रहा हूँ। यह जो नाटक है, जिसको ड्रामा कहा जाता, जिसके तुम एक्टर्स हो बाप कहते हैं मैं भी एक्टर हूँ। बच्चे कहते हैं हे बाबा पतित-पावन एक्टर बन आओ, आकर पतितों को

बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम्।
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम्॥
हे अर्जुन! तू सम्पूर्ण भूतोंका सनातन बीज मुझको ही जान। मैं बुद्धिमानोंकी बुद्धि और तेजस्वियोंका तेज हूँ॥ १०॥ अध्याय- 7
बलं बलवतां चाहं कामरागविवर्जितम्।
धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ॥
हे भरतश्रेष्ठ! मैं बलवानोंका आसक्ति और कामनाओंसे रहित बल अर्थात् सामर्थ्य हूँ और सब भूतोंमें धर्मके अनुकूल अर्थात् शास्त्रके अनुकूल काम हूँ॥ ११॥

Point to be Noted

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

पावन बनाओ। अब बाप कहते हैं मैं एक्ट कर रहा हूँ। मेरा पार्ट सिर्फ इस संगम समय ही है। सो भी मुझे अपना शरीर नहीं है। मैं इस शरीर द्वारा एक्ट करता हूँ। मेरा नाम शिव है। बच्चों को ही तो समझायेंगे ना। पाठशाला कोई बन्दरों वा जानवरों की नहीं होती है। परन्तु बाप कहते हैं कि इन 5 विकारों के होने कारण शक्ल तो मनुष्य जैसी है लेकिन कर्तव्य बन्दरों जैसे हैं। बच्चों को बाप समझाते हैं कि पतित तो सब अपने को कहलाते ही हैं। परन्तु यह नहीं जानते कि (1) हमको पतित कौन बनाते हैं और (2) पावन फिर कौन आकर बनाते हैं? (3) पतित-पावन कौन? जिसको बुलाते हैं, कुछ भी समझ नहीं सकते। यह भी नहीं जानते हम सब एक्टर्स हैं। हम आत्मा यह चोला लेकर पार्ट बजाती हैं। आत्मा परमधाम से आती है, आकर पार्ट बजाती है। भारत के ऊपर ही सारा खेल बना हुआ है। भारत पावन, भारत पतित किसने बनाया? रावण ने। गाते भी हैं कि रावण का लंका पर राज्य था। बाप बेहद में ले जाते हैं। हे बच्चों, यह सारी सृष्टि बेहद का टापू है। वह तो हद की लंका है। इस

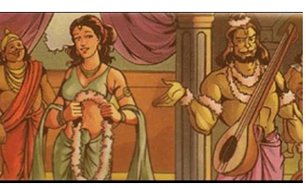

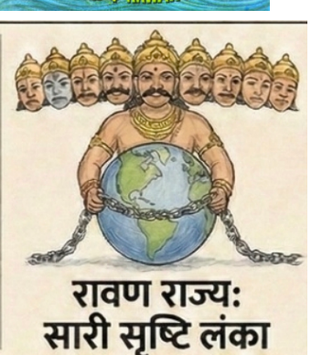

बेहद के टापू पर रावण का राज्य है। पहले रामराज्य था अब रावण राज्य है। बच्चे कहते हैं बाबा रामराज्य कहाँ था? बाप कहते हैं बच्चे वह तो यहाँ था ना, जिसको सब चाहते हैं।

जी मेरे मीठे बाबा..

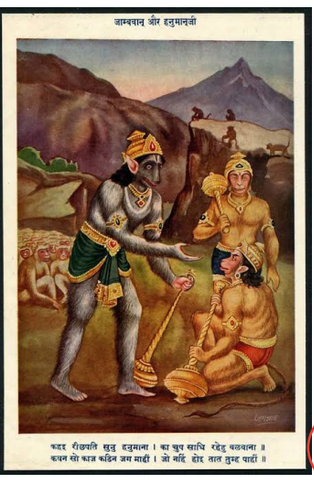

याद करो...

तुम भारतवासी आदि सनातन देवी-देवता धर्म के हो, हिन्दू धर्म के नहीं हो। मीठे-मीठे सिकीलधे लाडले बच्चों, तुम ही पहले-पहले भारत में थे। तुमको वह सतयुग का राज्य किसने दिया था? जरूर हेविनली गॉड फादर ही यह वर्सा देंगे। बाप समझाते हैं कि कितने और-और धर्मों में कनवर्ट हो गये हैं। मुसलमानों का जब राज्य था तो बहुतों को मुसलमान बनाया। क्रिश्चियन का राज्य था तो बहुतों को क्रिश्चियन बनाया। बौद्धियों का तो यहाँ राज्य भी नहीं हुआ तो भी बहुतों को बौद्धी बनाया। कनवर्ट किया है अपने धर्म में। आदि सनातन धर्म जब प्राय:लोप हो जाए तब तो फिर उस धर्म की स्थापना हो। तो बाप तुम सभी

Simple Logic

भारतवासियों को कहते हैं कि मीठे-मीठे बच्चे, तुम सब आदि सनातन देवी-देवता धर्म के थे। तुमने 84 जन्म लिए। ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय.... वर्ण में आये। अब फिर ब्राह्मण वर्ण में आये हो देवता वर्ण में जाने के लिए। गाते भी हैं ब्राह्मण देवताए नम:, पहले ब्राह्मणों का नाम लेते हैं। ब्राह्मणों ने ही भारत को स्वर्ग बनाया है। यह है ही भारत का प्राचीन योग। पहले-पहले जो राजयोग था, जिसका गीता में वर्णन है। गीता का योग किसने सिखलाया था? यह भारतवासी भूल गये हैं। बाप समझाते हैं कि बच्चे योग तो मैंने सिखलाया था। यह है रूहानी योग। बाकी सब हैं जिस्मानी योग। संन्यासी आदि जिस्मानी योग सिखलाते हैं कि ब्रह्म से योग लगाओ। वह तो रांग हो जाता है। ब्रह्म तत्व तो रहने का स्थान है। वह कोई सुप्रीम रूह नहीं ठहरा। बाप को भूल गये हैं। तुम भी भूल गये थे। तुम अपने धर्म को भूल गये हो। यह भी ड्रामा में नूंध है। विलायत में योग था नहीं। हठयोग और राजयोग यहाँ ही है। वह निवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी कब राजयोग सिखला न सकें। सिखाये वह जो

राजा गोपीचंद की कहानी सांसारिक मोह त्यागकर सन्यास अपनाने की एक प्रसिद्ध लोककथा है। अपनी मां मैनावती की प्रेरणा से, गोरखनाथ जी के शिष्य बनकर उन्होंने राज-पाठ छोड़ दिया और सन्यासी बन गए। यह कहानी त्याग, भक्ति और वैराग्य का संदेश देती है। Sant Rampal Ji Books +2

राजा गोपीचंद की कहानी के मुख्य बिंदु:

- **परिचय:** राजा गोपीचंद उज्जयिनी के राजा भर्तृहरि की बहन मैनावती के पुत्र थे।
- **योग का मार्ग:** गुरु गोरखनाथ जी के उपदेशों से गोपीचंद का मन सांसारिकता से उदासीन हो गया और उन्होंने सन्यास लेने का फैसला किया।
- **मां का बलिदान:** मां मैनावती ने ही उन्हें सन्यास की दीक्षा लेने के लिए प्रेरित किया, जो एक बहुत बड़ा त्याग था।
- **भिक्षा परीक्षा:** गुरु गोरखनाथ ने गोपीचंद को अपने ही महल में भिक्षा मांगने भेजा, जहाँ उन्होंने अपनी मां और पत्नियों से भिक्षा के रूप में, उन्हें सन्यासी के रूप में स्वीकार करने को कहा।
- **लोकगीत:** यह कथा उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और छत्तीसगढ़ में लोकगीतों (भरथरी लोकगाथा) के रूप में भी बहुत लोकप्रिय है। Sant Rampal Ji Books +2

यह कथा बताती है कि कैसे एक राजा ने मोह-माया को त्यागकर भक्ति का रास्ता चुना।

जानता हो। संन्यासी लोग तो राजाई भी छोड़ देते हैं। गोपीचन्द राजा का मिसाल है ना। राजाई छोड़ जंगल में चला गया। उसकी भी कहानी है। संन्यासी तो राजाई छुड़ाने वाले हैं, वह फिर राजयोग कैसे सिखला सकते। इस समय सारा झाड़ जड़ जड़ीभूत हो गया है। अभी गिरा कि गिरा। कोई भी झाड़ जब जड़जड़ीभूत हो जाता है तो अन्त में उसको गिराना पड़ता है। वैसे यह मनुष्य सृष्टि रूपी झाड़ भी तमोप्रधान है, इनमें कोई सार नहीं है। इनका जरूर विनाश होगा।

Before it falls down

इनके पहले आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना यहाँ करनी होगी। सतयुग में कोई दुर्गति वाला होता नहीं। यह विलायत में जाकर योग सिखलाते हैं परन्तु वह है हठयोग। ज्ञान बिल्कुल नहीं। अनेक प्रकार के हठयोग हैं। यह है राजयोग, इसको रूहानी योग कहा जाता है। वह सब हैं जिस्मानी। मनुष्य, मनुष्य को सिखाने वाले हैं।

14-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

बाप बच्चों को समझाते हैं कि मैं तुमको एक ही बार यह राजयोग सिखाता हूँ और कोई कदाचित सिखा न सके। रूहानी बाप रूहानी बच्चों को सिखाते हैं कि मामेकम् याद करो तो तुम्हारे सब पाप मिट जायेंगे। हठयोगी कब ऐसे कह न सकें। बाप आत्माओं को समझाते हैं। यह नई बात है। बाप तुमको अब देही-अभिमानी बना रहे हैं। बाप को देह है नहीं। इसके तन में आते हैं, इसका नाम बदल देते हैं क्योंकि मरजीवा बना है। जैसे गृहस्थी जब संन्यासी बनते हैं तो मरजीवा बने, गृहस्थ आश्रम छोड़ निवृति मार्ग ले लिया। तो तुम्हारा भी मरजीवा बनने से नाम बदल जाता है। पहले शुरू में सबके नाम लाये थे फिर जो आश्चर्यवत सुनन्ती, कथन्ती, भागन्ती हो गये तो नाम आना बन्द हो गया इसलिए अब बाप कहते हैं कि हम नाम दें और फिर भाग जायें तो फालतू हो जाता है। पहले आने वालों के जो नाम रखे, वह बहुत रमणीक थे। अब नहीं रखते हैं। उनका रखें जो सदैव कायम भी रहें। बहुतों के नाम रखे फिर बाप को फारकती दे चले गये इसलिए अब नाम नहीं बदलते हैं। बाप

Exclusive Authority of Shiv baba

Example

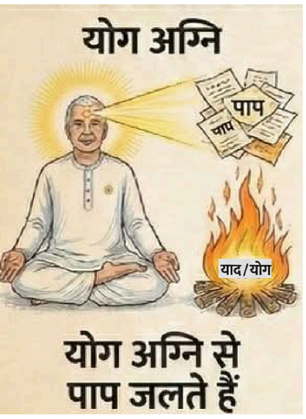

योग अग्नि से पाप जलते हैं

समझाते हैं कि यह ज्ञान क्रिश्चियन की बुद्धि में भी बैठेगा। इतना समझेंगे कि भारत का योग निराकार बाप ने ही आकर सिखाया था। बाप को याद करने से ही पाप भस्म होंगे और हम अपने घर चले जायेंगे। जो इस धर्म का होगा और कनवर्ट हो गया होगा तो वह ठहर जायेगा। तुम जानते हो कि

ये पक्का समझ लो..

मनुष्य, मनुष्य की सद्गति नहीं कर सकते। यह दादा भी मनुष्य है, यह कहता है कि मैं किसकी सद्गति नहीं कर सकता। यह तो बाबा हमको सिखलाते हैं कि तुम्हारी सद्गति भी याद से होगी।

How humble my baba is...!

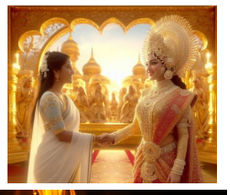

बाप कहते हैं बच्चों, हे आत्माओं मेरे साथ योग लगाओ तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे। तुम पहले गोल्डन एजेड प्योर थे फिर खाद पड़ गई है। जो पहले देवी देवता 24 कैरेट सोना थे, अब आइरन एज में आकर पहुँचे हैं। यह योग कल्प-कल्प तुमको सीखना पड़ता है। तुम जानते हो उसमें भी कोई पूरा जानते, कोई कम जानते। कोई तो ऐसे ही देखने आते हैं कि यहाँ क्या सिखाते हैं। ब्रह्माकुमार कुमारियाँ इतने ढेर बच्चे हैं। जरूर प्रजापिता ब्रह्मा होगा ना जिसके इतने बच्चे आकर

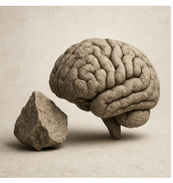

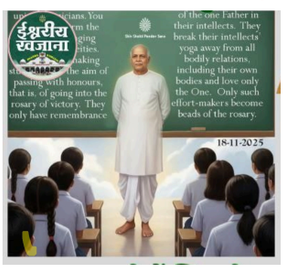

बने हैं, जरूर कुछ होगा तो जाकर उन्हों से पूछे तो सही। तुमको प्रजापिता ब्रह्मा से क्या मिलता है? पूछना चाहिए ना! परन्तु इतनी बुद्धि भी नहीं है। भारत के लिए खास कहते हैं। गाया भी जाता है पत्थरबुद्धि सो पारसबुद्धि। पारसबुद्धि सो पत्थरबुद्धि। सतयुग त्रेता में पारस-बुद्धि गोल्डन एज थे फिर सिलवर एज दो कला कम हुई इसलिए नाम पड़ा चन्द्रवंशी क्योंकि नापास हुए हैं। यह भी पाठशाला है। 33 मार्क्स से जो नीचे होते हैं वह फेल हो जाते हैं। राम सीता फिर उनकी डिनायस्टी सम्पूर्ण नहीं है इसलिए सूर्यवंशी बन न सकें। नापास तो कोई होंगे ना क्योंकि इम्तहान भी बहुत बड़ा है। आगे गवर्मेन्ट का आई.सी.एस. का बड़ा इम्तहान होता था। सब थोड़ेही पढ़ सकते थे। कोटों में कोई निकलते हैं। कोई चाहे तो हम सूर्यवंशी महाराजा महारानी बनें तो उनमें भी बड़ी मेहनत चाहिए। मम्मा बाबा भी पढ़ रहे हैं श्रीमत से। वे पहले नम्बर में पढ़ते हैं फिर जो मात पिता को फॉलो करते वही उनके तख्त पर बैठेंगे। सूर्यवंशी 8 डिनायस्टी चलती हैं। जैसे एडवर्ड द

फर्स्ट, द सेकेण्ड चलता है। तुम्हारा कनेक्शन इन क्रिश्चियन्स से अधिक है। क्रिश्चियन घराने ने भारत की राजाई हप की। भारत का अथाह धन ले गये फिर विचार करो तो सतयुग में कितना अथाह धन होगा। वहाँ की भेंट में तो यहाँ कुछ भी नहीं है। वहाँ सब खानियाँ भरतू हो जाती हैं। अब तो हर चीज की खानियाँ खाली होती जाती हैं। फिर चक्र रिपीट होगा तो फिर सब खानियाँ भरतू हो जायेंगी।

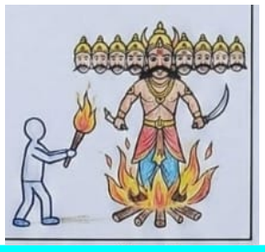

मीठे-मीठे बच्चों तुम अब रावण पर जीत पाकर राजाई ले रहे हो फिर आधाकल्प बाद यह रावण आयेगा फिर तुम राजाई गँवा बैठेंगे। अभी भारतवासी तुम कौड़ी मिसल बन गये हो। हमने तुमको हीरे जैसे बनाया। रावण ने तुमको कौड़ी जैसा बनाया है। समझते नहीं कि यह रावण कब आया? हम क्यों उनको जलाते हैं। कहते हैं कि यह रावण तो परम्परा से चला आता है। बाप समझाते हैं कि आधाकल्प के बाद यह रावण राज्य शुरू

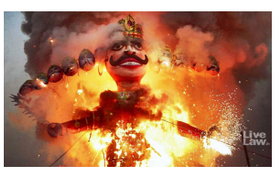

होता है। विकारी बनने कारण अपने को देवी देवता कह नहीं सकते। वास्तव में तुम देवी देवता धर्म के थे। तुम्हारे जितना सुख कोई नहीं देख सकते। सबसे अधिक गरीब भी तुम बने हो। दूसरे धर्म वाले बाद में वृद्धि को पाते हैं। क्राइस्ट आया, पहले तो बहुत थोड़े थे। जब बहुत हो जाएं तब तो राजाई कर सकें। तुमको तो पहले राजाई मिलती है। यह तो सब ज्ञान की बातें हैं। बाप कहते हैं हे आत्मायें मुझ बाप को याद करो। आधाकल्प तुम देह-अभिमानी रहे हो। अब देही-अभिमानी बनो। घड़ी-घड़ी यह भूल जाते हो क्योंकि आधाकल्प की कट चढ़ी हुई है। इस समय तुम ब्राह्मण चोटी हो। तुम हो सबसे ऊंच। संन्यासी ब्रह्म से योग लगाते हैं उनसे विकर्म विनाश नहीं होते। हर एक को सतो रजो तमो में आना जरूर है। वापिस कोई भी जा नहीं सकते। जब सभी तमोप्रधान बन जाते हैं तब बाप आकर सभी को सतोप्रधान बनाते हैं अर्थात् सभी की ज्योति जग जाती है। हर एक आत्मा को अपना-अपना पार्ट मिला हुआ है। तुम हो हीरो हीरोइन पार्टधारी। तुम भारतवासी सबसे ऊंचे हो

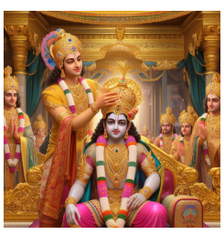

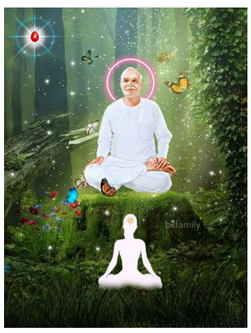

14-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

Exclusive Authority of Shiv baba

जो राज्य लेते हो फिर गंवाते हो और कोई राज्य नहीं लेता। वह राज्य लेते हैं बाहुबल से। बाबा ने समझाया है जो विश्व के मालिक थे वही बनेंगे। तो सच्चा राजयोग बाप के सिवाए कोई सिखला न सके। जो सिखाते हैं वह सब अयथार्थ योग है। वापिस तो कोई भी जा नहीं सकते। अभी है अन्त। सभी दु:ख से छूटते हैं फिर नम्बरवार आना है। पहले सुख देखना है फिर दु:ख देखना है। यह सब समझने की बातें हैं। कहा जाता है हथ कार डे दिल यार डे। काम करते रहो बाकी बुद्धि योग बाप से हो।

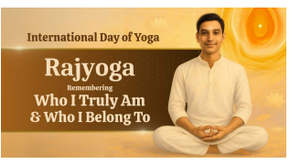

तुम आत्मायें आशिक हो एक माशूक की। अभी वह माशूक आया हुआ है। सभी आत्माओं (सजनियों) को गुल-गुल बनाए ले जायेंगे। बेहद का साजन बेहद की सजनियाँ हैं। कहता है मैं सबको ले जाऊंगा। फिर नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जाकर पद पायेंगे। भल गृहस्थ व्यवहार में रहो, बच्चों को सम्भालो। हे आत्मा तुम्हारी दिल

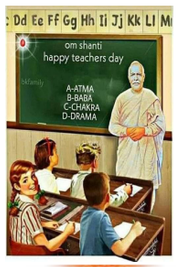

Thank you so much मेरे मीठे बाबा...

बाप की तरफ हो। यही याद की प्रैक्टिस करते रहो। बच्चे जानते हैं अभी हम स्वर्गवासी बनते हैं, बाप को याद करने से। स्टूडेन्ट को तो बहुत खुशी में रहना चाहिए। यह तो बड़ा सहज है। ड्रामा अनुसार सबको रास्ता बताना है। कोई से डिबेट करने की दरकार नहीं है। अभी तुम्हारी बुद्धि में सारी नॉलेज आ गयी है। मनुष्य बीमारी से छूटते हैं तो बधाईयाँ देते हैं। यहाँ तो सारी दुनिया रोगी है। थोड़े समय में जयजय-कार हो जायेगी। अच्छा!

Take it Seriously.. ***Wake up, 90 years lapsed..***

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1) सच्चे-सच्चे आशिक बन हाथों से काम करते बुद्धि से माशूक को याद करने की प्रैक्टिस करनी है। बाप की याद से हम स्वर्गवासी बन रहे हैं, इस खुशी में रहना है।

2) सूर्यवंशी डिनायस्टी में तख्तनशीन बनने के लिए मात-पिता को पूरा-पूरा फॉलो करना है। बाप समान नॉलेजफुल बन सबको रास्ता बताना है।

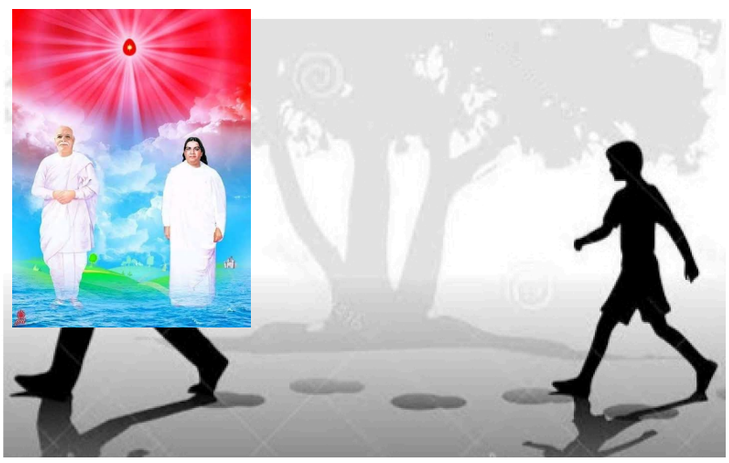

वरदान: ताज और तिलक को धारण कर बापदादा के मददगार बनने वाले दिलतख्तनशीन भव

जब कोई तख्त पर बैठते हैं तो तिलक और ताज उनकी निशानी होती है।

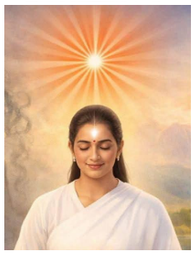

ऐसे जो दिल तख्तनशीन हैं उनके मस्तक पर सदैव अविनाशी आत्मा की स्थिति का तिलक दूर से ही चमकता हुआ नजर आता है।

सर्व आत्माओं के कल्याण की शुभ भावना उनके नयनों से वा मुखड़े से दिखाई देती है। उनका हर संकल्प, वचन और कर्म बाप के समान होता है।

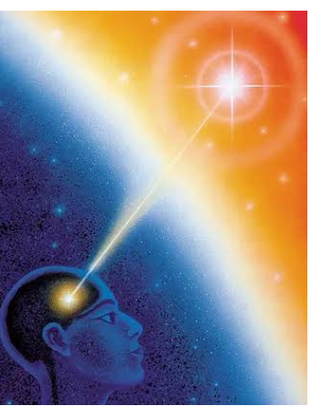

स्लोगन:- सरल याद के लिए सरलता का गुण धारण करो, संस्कारों को सरल बनाओ।

ये अव्यक्त इशारे-

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

विजयी बनने का फाउन्डेशन है "निश्चय",

फाउन्डेशन अगर पक्का है तो बिल्डिंग हिल नहीं सकती, निश्चिंत रहते हैं।

लेकिन सिर्फ बाप में निश्चय नहीं, अपने आपमें भी निश्चय और ड्रामा में भी निश्चय।

वाह ड्रामा वाह! अगर ड्रामा में निश्चय होगा तो अकल्याण की बात भी कल्याण में बदल जायेगी।

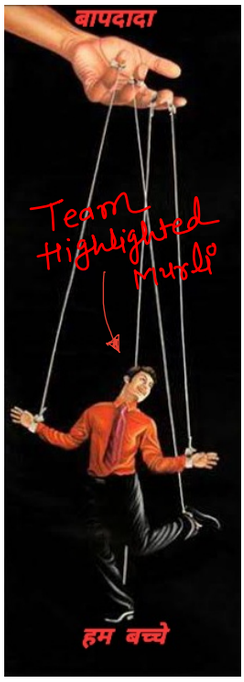

ओम शांति,
30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

Link of Google Form ===> ***Click***

Team Highlighted Murli

पिछले साल बहुत से अनुभव प्राप्त हुए थे उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है जो आपको खुशी एवं आपके पुरुषार्थ में बल भरेंगे

"Highlights Murli मुझे सदा सामने रेहने से बाबा के श्रीमत सदा साथ रहने का अनुभव होता . Point पडने से खुशी का पारा सदा ही चढा रहता है साथ साथ Highlight होने से चारा ही subject के मुरली में से मुख्य point सदा याँद रहते है"
— BK Sachin ज्ञान में- 23 Year From:- Pune Maharashtra

This highlighted Murli helps a lot to understand and seek the knowledge, specifically for the new comers like me those don't take regular classes at centre. I did online Rajyoga course in 2018 and again at centre in 2024. This is a great initiative. Thank you so much. Om Shanti 🙏
— Raveena Batra ज्ञान में - 6 year From: Sonipat, Haryana

I love reading highlighted murli. It explains with example and small pictures which is very helpful
— Gayatri Sharma ज्ञान में - 5 years From: Winnipeg, Canada, Manitoba

"Dear team, Om Shanti. Its eadg to remember murli through picture format. Much appreciated thank you so much."
— A. Suryasree ज्ञान में-15 yrs From:- Sheffield UK

I have seen improvement in my Purusharth due to understanding murli points through this diagrammatic form of Baba's letter. It is very interesting and powerful technique to remember murli points throughout the day.
—Asha savlani ज्ञान में-30 yearsFrom:- Pune Maharashtra

"You are doing Very unique Service. Murli become very easy to understand with illustrations and highlighted points of GYDS I share it even to my class matas and show them the illustrations while read Murli in class. All Godly students taking benefit to understand and remember Murli points. I feel this is Baba's very Special service by special quality souls. Heartiest Blessings Blessings and Blessings 😇😇 Om Shanti "
—BK Meena Bharti ज्ञान में- 23 years From:- Ghumarwin, Himachal Pradesh

Om Shanti bhai ji, m UPSC ki preparation kr rhi hu, murli pdhna usme imp. Kya h ye smjhna bhut muskil hota tha starting m , but jb se aapki highlited murli pdhne lgi hu ...murli k points bhi yaad rhte h.....aur jo picture add kr dete h aap ,usse toh murli k imp. Point ko yaad rkhna bhut easy ho jata h.....aise hi easy way m murli laate rhtiye✨✨✨bhai ji thnx ....shiv baba bless u✨✨
---BK Neetu ज्ञान में- 2(seriously from 6 month) From: Pratapgarh Uttar Pradesh

"It is very interesting to read this highlighted Colourful Murli with lots of pictures and important informations along with this. Emojis used are also very useful to understand the emotions.. love to read it ❤️ Extremely thankful to all of you for the efforts... bahut dhanyawad 🙏👍❤️❤️"
— Manju Sharma ज्ञान में- 6yrs. From:- Rewari Haryana

"हर हाईलाट कलर से किस को भी आसान तरीके से समझा सकते है, ओर ज्ञान, योग, धारणा, सेवा, अच्छी तरह समझ आती है. एसली ऐ बहुत ही सुंदर सेवा कर रहे है."
—Bk Rohit b langhnoja ज्ञान में-16 yearsFrom:- Surendranagar; Gujarat

Om Shanti, I came into gyan in 1981 in Kenya where I am born. My yugal was first. As Baba says charity begins at home, we also introduced my lokiks to knowledge and we all started following Baba's knowledge.
I started reading the highlighted Murli quite a number of years ago when both the Hindi & English were done from the same portal. I find it easy to read because of the large fonts. Also highlighting the 4 subjects makes it easy to revise after having heard the Murli on line as I do in Nairobi. As I cannot remember all the Murli points because of age (83yrs) I like the main ones which marked. I try to keep one or two in mind throughout the day and also look at the highlighted Murli at every opportunity.
I think you are doing wonderful service particularly for older gyani souls. Please continue the good work and I wish you the best.
Another point I forgot to mention is the photos that you show beside the text. It makes remembering that particular point easy to recall. Also the points that are written from your own churning of the knowledge are useful.
IBY
BK DINKER
NAIROBI CENTRE.

Amazing seva baba has given yiu!! Every soul must be showering you with so much love n blessings and Bab bhi bahut khush hote honge
--- Neha khandelwal ज्ञान में-Bachpan se From: Kanpur Uttar Pradesh

"Aap bahot achi seva kr rhe h. M aapki hi pdf se murli padhti hu. Or jo photos, songs, clips dalte ho usse bahot acha clear hota h. Please Continue doing the work. Thank you Baba Om shanti 🙏"
---Priya Saini ज्ञान में- 4 mahine From:- Rajasthan, Jhunjhunu ,gyan Jaipur devi nagar centre se lia

purusharth me tivrata aati aati he... bahut accha he mere liye... padhne me bhi clerity rahti he... yad bhi acchi tarah raheta he... good job kar rahe ho... chalu rakhna...
— Modi Minal ज्ञान में- 45 years From:- Ahmedabad, Gujarat

I AM IN GYAN AT THE AGE OF 12 YEARS I ALWAYS WANT TO EXPLAIN THE MURLI WITH WORLD EXAMPLE LIKE IF BABA SAID COMPANY MATTERS ALOT THEN I TRY TO FIND OUT ON THE GOODLE WHAT GREAT PERSONALITY LIKE KABIR DAS , GANDHI JI AND OTHERS SAID ABOUT IT BUT WHILE STUDYING THE MURLI THROUG HIGHTED POINTS BABA HELPS ME ALOT .
YEAH NAA SIRF MUJH KUMMARI ME GYAN KA NASA BHARTA HAI BALKI JB MAE MURLI CLASS ME SUNATI HU TOH BAKI AATMAO KO BHI MAZA AATA HA.
#MURLI #PICUTURES OF SATYUG #EXAMPLES #NEW METHOD AND UNIQUE MENTHOD OF SEWA THANK TO SHIV BABA

--ARCHANA KUMARI (SHAKTI BEHAN) ज्ञानमें- 15 years From - HAZIPUR BIHAR

gita Pathshala me baba ne seva di to ye mere liye ek sundar saugat hai samzane ke liye dil se shubh kamna shubh bhavna deti hu aap ke bhehtarin se ke liye baba yaisi hi seva last tak aap se karvayega ji 👌👌🙏🙏

-- Bk suchitra Bhawsar ज्ञान में- 11 years. from: Durg 36garh

Highlighted Murli helps understand the main points. The Pictures put in helps to remember the points throughout the day. It works wonders in our mind to remember anytime in the day. Now Murli points cannot be forgotten due to Highlighted Murli group's commendable efforts.

--- BK Mandar Tamhankar Gyan: 20 years from- Pune , Maharashtra

Hilighted murli se muz atma ko bahut fayda hua hai. Thanks. Thanks to baba and nimitta bane hilighted murli team members. Isme diye gaye points aur references, explanation, inke dwara baba muze purushrth me aage badha rahe hai. Daily murli ka itna abhyas karke muz atma ko murli ki achi samaz milti hai...isse murli points yad rahane me bhi aasani hoti hai

Susmita Rao. gyan- 13 years from- Mumbai

OM SHANTI...Its informative and interesting to read BABA's MURLI in colored format as lot of related pictures ,information and attention points sometimes funny pictures are there, this help us to remember Murli. Since i am working as Professor in Medical College ,in the morning i read black and white, and afternoon apne department mein... jab hum detail mein samajhte hain to highligted colored murli read karte hain, baba ke naye bachche unko bhi jab murli sunate hain to colored hi dikhate hain to unko samajhne mein easy rahta hai....LOT OF THANKS TO SHIIV BABA and TEAM...dil se shukriya and blessings!!!!!!!

--- Reema kumari gyan- 11 years from- Lucknow Uttar Pradesh

High lighted मुरली से main पॉइंट्स को जानने समझने में बहुत ही मदद मिलती है खास करके चारों सब्जेक्ट ज्ञान, योग, सेवा, धारणा के बाबा के महावाक्य को बड़े आसानी से मालूम हो जाता है जिनको मनन करने में सहायता मिलती है... वाक्य में यें आपका बहुत ही सराहनीय कार्य है व बहुत ही नये तरीके की सेवा है, बाबा से प्रार्थना है यह ग्रुप दिन दुगनी प्रगति करता रहे। ओमशान्ति 🙏🙏

Bk Suresh gyan-35 years , from - palwal, haryana

Highlights helps to categorize 4 subjects

-Poonam Gujral ; gyan: 32 years, from San Francisco, USA

हायलाईट मुरली पढने से मेन पॉईंट ज्ञान योग धारणा सेवा की बुद्धी मे बैठती है पॉईंट्स से रिलेटेड फोटो जो होते है उसे वह पॉईंट ध्यान मे रहती है ओम शांती🙏💥
-- Sangita Udakhe, gyan- 20 years, from - Yavatmal, Maharashtra

High lighted Murli high lights are Pictures, under lines, high lighting points with colors also points taken from other stories like Kabir das and scriptures etc. High lighted murlis helps to remember murli very well gives an entertainment of study rather then boring. High lighted murli Increases murli sweetness helps to understand deeper points makes our Yog powerful. Thank you for all efforts and team for doing such a wonderful job. Dil sa Shukriya

--Bk Goutham , gyan- 20 years, from- Farmington Hills, Michigan, USA

Highlighted Murli se easy ho jata hai . Important points yaad karne mein easy hota . Murli bhi achi tarah samajh ati hai . Jo song ke link main madhuban murli m nahi hota woh highlighted murli m mil jata hai . Sujhav yeh hai ki murli m jo kahawatey ati hai unko pura complete karke jarur bheje n jo kahani baba example dete hai uska link bhej de taki hum us kahani ko padh sake agar nahi maloom ho toh . Thank you very much , great service you are doing . Baba bless the team .

– Ritu Chawla, gyan- 7 years, from - kuvait, gulf country

From very log time I am visiting this site for murli and other sewa and also seen Highlighted murli but from sometime I am regularly referring Highlighted murli. The team is really doing good job and its very easy to remember the murli points.
The hyperlinks, Pictures, written text with experience sharing and legends at the bottom of every page make it a proper formal document. Its really looks like a professionalism in spirituality.

Congratulations. :-)

– HRISHEESHWAR KAUSHIK. Gyan:from childhood From:Delhi, Shahdara

Highlighted Murali made to understand easily the four subjects Gyan Yog Dharana aur sewa. Pictures also connects fast, what baba wanted to tell us. Thanks baba thanks team.

– Sulckshna Saidha gyan:15 years From: Dehradun Uttarakhand

Dear Team - Highlighted murali helped a lot. Everyday i will be so excited to read in this highlighted form, its very easy to understand, remember, Dharna. Pictures helps a lot for memorising. I am able to tell Murali points easily. This has helped me in driving my attention and interest for Murali. I request the team to please continue. Om Shanti

— Lalitha; Gyan- 7 yearsBangalore, From:- Hosa road, Karnataka

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.
Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya🙏🥰🥰 om shanti

— Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

It reminds me of my medical study days, I used to study like this. HIghlighting and writting in pointwise manner makes murali easy to remember. Colour codes distinguish between all four subsets of murali like Gyan, yog, dharana and seva. Pictorials help to relate and memorise it better. Colourful highlights make it very attractive. Great efforts by team. Shukriya BABA

—Kumud ; gyan:-चार साल From:- Mumbai, Maharashtra

बड़े अक्षर पड़ने में सरल लगता है और आपके pictures और extra points को नोट करते है
Life is Drama
The World is a stage
Men are actors
God is the creator, Director & Principal Actor
इसमें सारा ज्ञान समा हुआ है। दूसरों को इससे समझाने की कोशिस कर रहा हूँ.
पर मुझे अभी तक एक बात समाज में नहीं आ रहा है की आप चारो subjects को कैसे अलग कर highlight करते हो
Thank you, keep it up

--- Shivkesh; Gyan:- 4 years from:- HyderabadTelangana

bahut sarl shaj tarki se yad karne me help milta hai
sabhi time members ko tahe dil se sukriya🙏
sukriya methe baba💕

— narendra gyan :-16 years From:- seoni Madhya Pradesh

मुझे हाइलाइट मुरली बहुत अच्छी लगती है चित्रों के द्वारा मुरली अच्छी तरह समझ में आती है और मुरली के पॉइंट्स अच्छी तहत याद आती

--- Asha devda Gyan:- 7 year; From:- Jhalawar Rajasthan